Erscheint täglich
früh 6½ Uhr.

Redaction und Expedition
Johannesgasse 8.
Sprechstunden der Redaction:
Vormittags 10—12 Uhr.
Nachmittags 5—6 Uhr.
Für die Rückgabe eingesandter Manuscripte macht sich die Redaction nicht verbindlich.

Annahme der für die nächstfolgende Nummer bestimmten Inserate an Wochentagen bis 3 Uhr Nachmittags, an Sonn- und Festtagen früh bis ½9 Uhr.
In den Filialen für Ins.-Annahme:
Otto Klemm, Universitätsstraße 1.
Louis Lösche,
Katharinenstr. 23 part. und Königsplatz 7,
nur bis ½3 Uhr.

# Leipziger Tageblatt
und
# Anzeiger.

Organ für Politik, Localgeschichte, Handels- und Geschäftsverkehr.

Abonnementspreis
vierteljährlich 4½ Mk.
incl. Bringerlohn 5 Mk., durch die Post bezogen 6 Mk. Jede einzelne Nummer 20 Pf.
Belegexemplar 10 Pf.
Gebühren für Extrabeilagen
(in Tageblatt-Format gefalzt)
ohne Postbeförderung 60 Mk.
mit Postbeförderung 70 Mk.

Inserate 6gespaltene Petitzeile 20 Pf.
Größere Schriften laut uns. Preisverzeichniß.
Tabellarischer u. Ziffernsatz nach höherm Tarif.

Reclamen
unter dem Redactionsstrich die 4gespalt.
Zeile 50 Pf., vor den Familiennachrichten
die 6gespaltene Zeile 40 Pf.
Inserate sind stets an die Expedition zu senden. — Rabatt wird nicht gegeben.
Zahlung praenumerando oder durch Postnachnahme.

№ 259. Montag den 16. September 1889. 83. Jahrgang.

## Amtliche Bekanntmachungen.

### Bekanntmachung.

Hierdurch bringen wir zur öffentlichen Kenntniß, daß wir beschlossen haben, die bisherige Albertstraße im Stadtbezirke Anger-Crottendorf auf der Strecke von der Grenze mit Leipzig-Reudnitz bis zur Riebeckstraße zum Täubchenweg und den übrigen Theil der bisherigen Albertstraße zur Zweinaundorfer Straße, mit welchem Namen der Zweinaundorfer Weg in den Fluren Reudnitz und Anger-Crottendorf benannt worden ist, zu schlagen, demgemäß aber den Täubchenweg und die Zweinaundorfer Straße, wie nachersichtlich fortlaufend, und zwar auf der einen Seite mit den geraden, auf der anderen Seite mit den ungeraden Zahl zu numeriren:

**I. Täubchenweg.**
Vom Rabensteinplatze aus:

Linke Seite. — Rechte Seite.

| Jetzige Straßen-Nummer | Brand-Kataster-Nummer | Neue Straßen-Nummer | Jetzige Besitzer | Bemerkungen | Jetzige Straßen-Nummer | Brand-Kataster-Nummer | Neue Straßen-Nummer | Jetzige Besitzer | Bemerkungen |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **A. In der Leipziger Flur.** | | | | | | | | | |
| | Abth. B. | | | | | Abth. B. | | | |
| 1 | 834 | 1 | C. H. Wolff | | 2 | 814 | 2 | VII. Bürgerschule, Stadtcommune | |
| 3 | 833 B | 3 | F. A. Herzog | | | | | folgt Platostraße | |
| 5—7 | 832 | 5—7 | Ernst Baer | | 4 | 815 | 4 | Armenhaus, Stadtcommune | |
| | | | folgt Kurze Straße | | | | | folgt Gerichtsweg | |
| 9 | 843 | 9 | Schreiber's Erben | | | | | | |
| 11 | 842 | — | J. G. Ullner | Eingang liegt an der Antonstraße | | | | | |
| | | | folgt Antonstraße | | | | | | |
| 13 | 824 | 11 | Frau verehel. F. A. Sachse | | | | | | |
| 15 | 823 B | 13 | Heumann's Erben | | | | | | |
| 17 | 823 | 15 | Frau verehelichte Wehlmann | | | | | | |
| | | | folgt Gerichtsweg | | | | | | |
| **B. In Reudnitzer Flur.** | | | | | | | | | |
| | Abth. A. | | | | | Abth. a. | | | |
| 1 | 297 | 17 | F. H. Meyer. | | | | | | |
| — | — | 19 | St. Johannis-Hospital | Bauplatz | | | | | |
| | | | folgt eine projectirte Straße. | | | | | | |
| — | — | 21/25 | St. Johannis-Hospital | Bauplätze | | | | | |
| | | | folgt eine projectirte Straße. | | | | | | |
| — | — | 27/29 31 | St. Johannis-Hospital | Bauplätze | | | | | |
| | | | folgt eine projectirte Straße. | | | | | | |
| — | — | 33/35 37 | St. Johannis-Hospital | Bauplätze | | | | | |
| | | | folgt eine projectirte Straße (alte Verbindungsbahn). | | | | | | |
| — | — | 39/41 | St. Johannis-Hospital | Bauplätze | | | | | |
| 1b | 318 | 43 | C. Sporte | | | | | | |
| | | | folgt Augustenstraße. | | | | | | |
| 1c | 315 | 45 | Frau verw. Th. Becker | | | | | | |
| 1d | 316 | 47 | G. Weber | | | | | | |
| | | | folgt Heinrichstraße. | | | | | | |
| 2 | 319 | 49 | H. Fecht | | | | | | |
| 3 | 320 | 51 | H. Winkler | | | | | | |
| 4 | 321 | 53 | W. Grobe | | | | | | |
| 5 | 322 | 55 | Derselbe | | | | | | |
| 6 | 323 | 57 | L. Mäthen | | | | | | |
| 7 | 324 | 59 | Frau verw. W. Eiße | | | | | | |
| 8 | 325 | 61 | A. Bommer | | | | | | |
| | | | folgt Feldgasse. | | | | | | |
| | | Abth. a | | | | Abth. c | | | |
| 9 | 326 | 63 | Frau verw. G. Bergmann | | 35d | 266 | 52 | Stadtcommune | Friedhof in Reudnitz |
| | | | | | 35c | 268 | 54 | H. Gulig | |
| 10 | 327 | 65 | G. Schöne | | 35b | 269 | 56 | Derselbe | |
| 11 | 328 | 67 | Julius Elite | | 35a | 270 | 58 | Frau verw. Chr. Wenig | |
| 12 | 329 | 69 | Emmerich's Nachfolger | | 35 | 271 | 60 | W. Jarisch | |
| 13 | 330 | 71 | Wezel & Naumann | Fabrik und Baustelle | 34b | 272 | 62 | C. Georgie | |
| 14 | 330 | 73 | Dieselben | | 34 | 273 | 64 | C. Gähler | |
| 15 | 331 | 75 | H. Hermann | | 33 | 274 | 66 | R. Horn | |
| | | | (Stadtcommune) | Baustelle | 32 | 275 | 68 | A. Schleeßig | |
| 16 | 838 | 77 | Armen- u. Krankenhaus | | 31 | 276 | 70 | Geiß' Erben | |
| 17/18 | — | 79/81 | F. Wagner | Baustellen | 30 | 277 | 72 | O. Brer | |
| 19 | 345 | 83 | Ch. Horn | | 29 | 278 | 74 | F. Wauer | |
| 19b | 346 | 85 | C. Lehnert | | 28 | 279 | 76 | W. Schmidt | |
| | | | | | 27 | 280 | 78 | O. Schöne | |
| | | | | | 26 | 281 | 80 | C. Köthe | |
| | | | | | 25 | 282 | 82 | A. Schumpelt | |
| | | | | | 24 | — | 84 | Gärten | |
| | | | | | 23 | — | 86 | Gärten | |
| | | | | | 22 | — | 88 | Gärten | |
| | | | | | 21 | 285 | 90 | F. Wagner | |
| **C. In Anger-Crottendorfer Flur.** | | | | | | | | | |
| | Abth. a | | | | | Abth. a | | | |
| 1 | 1 | 87 | C. Lehnert | bisher Albertstraße | | | | | |
| | | | folgt Hauptstraße in Leipzig-Anger-Crottendorf | | | | | | |

**II. Zweinaundorfer Straße.**
Von der Hauptstraße aus:

| Jetzige Straßen-Nummer | Brand-Kataster-Nummer | Neue Straßen-Nummer | Jetzige Besitzer | Bemerkungen | Jetzige Straßen-Nummer | Brand-Kataster-Nummer | Neue Straßen-Nummer | Jetzige Besitzer | Bemerkungen |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Abth. a | | | | | Abth. a | | | |
| 3 | 28 | 1 | Stadtcommune | | 2 | 28D | 2 | O. Schwickert | |
| 5 | 21 | 3 | G. Köhler | | 4 | 28B | 4 | C. A. Dreyschner | |
| 7/15 | — | 5/13 | Derselbe | Baustellen | 6 | 29B | 6 | J. H. Dreyschner | |
| | Abth. B | | | | 8/10 | — | 8 | Derselbe | Baustelle |
| 17 | 1 | 15 | H. Köhler | | 12 | 30 | 10 | G. Hoyle | |
| 19 | 2 | 17 | A. F. Cule | | 14/16 | — | 12/14 | C. A. Unger | Baustelle |
| 21 | 3 | 19 | Frau verw. J. Böhme | | 18 | 31 | 16 | Derselbe | |
| 23 | 4 | 21 | A. Leuchte | | 20 | 32 | 18 | Derselbe | |
| | | | folgt Schmiedegasse | | | | | folgt Karlstraße | |
| 25 | 22 | 23 | F. Hermann | | 22 | 32C | 20 | A. Sauer | |
| | | | folgt Gartenstraße | | 24 | 32D | 22 | Frau verw. H. Köthnig | |
| 27 | 21D | 25 | A. Schlag | | 26 | 32E | 24 | C. Weimert | |
| 29 | 21E | 27 | F. Schiller | | 28/30 | — | 26/28 | F. Hermann | Baustellen |
| 31 | 21F | 29 | C. A. Hessel | | 32 | — | 30 | F. Hermann | Baustellen |
| — | — | 31/33 | | Baustellen | 32B | — | 32 | F. Hermann | Baustellen |
| | | | folgt Kohlgartenstraße | | 34 | 32H | 34 | F. C. Schröder | |
| 33 | 22D | 35 | A. A. Erbe | | | | | folgt Martinstraße. | |
| 35 | 22B | 37 | A. Pohschke | | | | | | |
| 37/39 | 22C | 39 | L. Brandt. | | 36 | — | — | Alt aus | Eingang Martinstr. |
| | | | folgt projectirte Straße | | 38 | 33O | 36 | Minna Ring | |
| 41 | 23B | 41 | A. F. Lohmann | | 40 | 33N | 38 | J. C. Ziesche | |
| 43 | 23C | 43 | Derselbe | | 42 | 33M | 40 | G. T. Schiller | |
| 45/55 | — | 45/57 | F. G. C. Krause | Baustellen | 44 | 33A | 42 | C. Dyck | |
| 57 | 25 | 59 | Derselbe | Fabrik | 46 | 33B | 44 | Frau verw. G. Jacobi | |
| | | | | | 48 | 33E | 46 | W. Hoffmann | |

Linke Seite. — Rechte Seite.

| Jetzige Straßen-Nummer | Brand-Kataster-Nummer | Neue Straßen-Nummer | Jetzige Besitzer | Bemerkungen | Jetzige Straßen-Nummer | Brand-Kataster-Nummer | Neue Straßen-Nummer | Jetzige Besitzer | Bemerkungen |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | folgt projectirte Straße | | 50 | 33F | 48 | C. Männicke | |
| | | | | | 52 | 33G | 50 | J. C. Kautzsch | |
| | | | | | 54 | 33H | 52 | F. W. Kleine | |
| | | | | | 56 | 33J | 54 | W. Fuhrmann | |
| | | | | | 58 | 33K | 56 | A. Schier | |
| | | | | | 60 | 33L | 58 | F. G. Kriegel | |
| | | | | | | 33m | | | |
| | | | | | 62 | 33C | 60 | A. Tönhardt | |
| | | | | | 64 | 33D | 62 | J. Fahr | |
| | | | | | 66 | | | G. Pflaume | Alt aus, Eingang von der Rudolfstraße |

Leipzig, den 7. September 1889.

**Der Rath der Stadt Leipzig.**
Dr. Georgi. Räling.

Ib. 4050/1310.

### Bekanntmachung.

Wegen Reinigung der Geschäftsräume bleiben
**Montag, den 16. dis. Mts.,**
die **Stadtcasse**, die **Stiftungsbuchhalterei** und die **Sportelcasse I** geschlossen.

Leipzig, den 10. September 1889.

**Der Rath der Stadt Leipzig.**
Dr. Georgi. Hentschel.

### Bekanntmachung.

Von Dienstag, den 16. d. Mts. an wird zur Vertilgung der Ratten in den städtischen Schleußen **Gift** ausgestellt werden.

Wir fordern alle hiesigen Grundstücksbesitzer bez. Grundstücksverwalter auf, in ihren Gebäuden und insbesondere in den Privatschleußen für Beseitigung der Ratten gleichzeitig besorgt zu sein und bemerken, bezugnehmend auf unsere Bekanntmachung vom 26. Mai 1884, daß der nördliche Bezirk der Stadt dem Kammerjäger Herrn Carl Fritzsche in Eutritzsch, der südliche aber dem Kammerjäger Herrn Louis Graf, hier, überwiesen ist.

Leipzig, den 14. September 1889.

**Der Rath der Stadt Leipzig.**
Ih/4494. Dr. Georgi. Krumbiegel.

### Bekanntmachung.

Für den Vieh- und Schlachthof hierselbst sollen
**Schmiede-Eisenconstructions- und Schlosser-Arbeiten**
und zwar Lieferung und Montage von Walzeisen, desgl. von eisernen Thüren und Thoren nebst Beschlägen, sowie einfache Schmiedearbeiten zu Verankerungen und Dachverbänden u. s. w. an einen Unternehmer vergeben werden.

Die Unterlagen sind gegen Zahlung von 1 Mark vom Schlachthofbaubureau im Schlachthofe zu beziehen.

Die Angebote sind nach Maßgabe der bei den Unterlagen befindlichen Vorschriften zu behandeln und bis zum 27. September 1889, Vormittags 11 Uhr, bei der Kanzlei des Rathhauses abzugeben.

Wir behalten uns die Auswahl unter den Bewerbern bez. Theilung der Arbeit, sowie die Ablehnung sämmtlicher Angebote vor.

Leipzig, den 12. September 1889.

**Der Rath der Stadt Leipzig.**
Ia 5849. Dr. Georgi. Dr. Kreyßig.

Bei unserer Hochbauverwaltung ist die etatmäßige, mit Pensionsberechtigung verbundene und einem jährlichen Gehalt von 3000 ℳ dotirte Stelle eines Bau-Assistenten zu besetzen.

Bewerber wollen sich unter Beifügung eines Lebenslaufes, insbesondere unter näherer Angabe ihres Bildungsganges und ihrer bisherigen Thätigkeit im Hochbauwesen bis zum 29. d. M. schriftlich bei uns melden.

Leipzig, am 10. September 1889.

**Der Rath der Stadt Leipzig.**
Ib. 4178. Dr. Georgi. Hentschel.

### Bekanntmachung.

Die Herstellung einer 40 cm im Lichten weiten Thonrohrschleuße in der äußeren Tauchaer Straße des Stadtbezirks Leipzig-Reudnitz soll an einen Unternehmer in Accord verdungen werden.

Die Bedingungen und Zeichnungen für diese Arbeiten liegen in unserer Tiefbau-Verwaltung, Rathhaus, 2. Stockwerk, Zimmer Nr. 14 aus und können daselbst eingesehen oder gegen Entrichtung der Gebühren entnommen werden.

Bezügliche Angebote sind versiegelt und mit der Aufschrift:
**„Schleußenbau in der äußeren Tauchaer Straße"**
versehen ebendaselbst und zwar bis zum 27. dss. Mts. Nachmittags 5 Uhr einzureichen.

Der Rath behält sich das Recht vor, sämmtliche Angebote abzulehnen.

Leipzig, den 13. September 1889.

**Des Raths der Stadt Leipzig Straßenbau-Deputation.**

Gesucht ein **Wassermeister** für die städtische Hochdruck-**Wasserleitung**, welchem zugleich die Einnahme des Schulgeldes obliegt. Anfangsgehalt 800 ℳ.

Bewerbungen sind unter Beifügung der Zeugnisse bis zum 30. d. M. einzureichen. Gelernte **Klempner** oder **Schlosser** werden bevorzugt.

Falkenstein, am 13. September 1889.

**Der Rath der Stadt.**
Klingkardt.

## Leipzig, 16. September.

* Das Mandat der nichtständigen Mitglieder des Reichs-Versicherungsamts, deren Wahlperiode nach dem Gesetz der Unfall-Versicherung eine vierjährige ist, läuft mit dem 1. October d. J. ab. Die Neuwahlen haben bereits stattgefunden und das Ergebniß derselben ist im Reichs-Versicherungsamt zusammengestellt worden. Wie verlautet, sind durch die Vorstände der Berufsgenossenschaften die Candidaten gewählt worden, welche von dem Verbande der Genossenschaften auf Grund einer Vereinigung in Vorschlag gebracht waren. Es sind dies Generaldirector der „Union" Kamp in Hamm (rheinisch-westfälische Eisen- und Stahl-Berufsgenossenschaft) und Baumeister Felisch in Berlin (nordöstliche Baugewerks-Berufsgenossenschaft) als Mitglieder des Amts und weiter als Stellvertreter derselben Commerzienrath Rösicke in Berlin (Brauerei-Berufsgenossenschaft), von Pfister in München (Speditions-, Speicherei- und Kellerei-Berufsgenossenschaft), Berg-Assessor Leopold in Halle (Knappschafts-Berufsgenossenschaft) und General-Director Budag-Mühl in Berlin (Steinbruchs-Berufsgenossenschaft). Die Namen der Gewählten und die auf sie gefallenen Stimmen werden demnächst amtlich veröffentlicht werden. Gleichzeitig werden auch die Namen der Mitglieder und Stellvertreter, welche von den Vertretern der versicherten Arbeiter gewählt sind, veröffentlicht; über diese ist noch nichts bekannt. Endlich muß auch der Bundesrath jetzt die Wahl von vier nichtständigen Mitgliedern zum Reichsversicherungsamt vollziehen.

* Die ultramontanen Blätter, denen die Abwesenheit der hervorragenden Katholiken bei dem Bochumer Tage eine sehr unbehagliche Empfindung erzeugt, erfinden immer neue Vorwände, um das Fernbleiben des Freiherrn v. Schorlemer-Alst zu erklären, und sie haben ihm in ihrer Verlegenheit letzthin sogar einen Entschuldigungszettel „durch Heiserkeit verhindert" ausgestellt. Wenn aber Schorlemer-Alst immer deutlicher von der Gefolgschaft der welfischen Excellenz wegrückt, so liegt der Grund für diese Kluft, die sich mehr und mehr erweitert, tiefer; er beruht nicht in einem körperlichen Gebrechen, sondern wir müßten ihn, wenn wir im Sinne des welfischen Ultramontanismus sprechen wollten, in einem geistigen Gebrechen suchen. Der westfälische Edelmann fühlt sich durch den Byzantinismus abgestoßen, den eine urtheilslose und ungebildete Menge Herrn Windthorst gegenüber treibt, er ist empört über die Hetze, welche die ultramontane Presse gegen hochstehende Katholiken und Priester, wie den Fürstbischof Dr. Kopp, nur deshalb veranstaltet hat, weil dieselben im Sinne des Friedens, im Sinne der Beruhigung der aufgeregten Gemüther thätig waren. Wenn Schorlemer-Alst nicht mehr in derselben Weise wie früher mit der welfischen Centrumsleitung zusammenarbeitet, so liegt das jedenfalls daran, daß auch seine Ueberzeugung nach die Zeiten des Starrsinns eines Pius' IX. versunken sind und daß in die veränderten Zeitverhältnisse ein Papst von größerer Weltklugheit sich besser zu schicken weiß. Die Zeit ist wohl nicht fern, da dieselbe ultramontane Presse, der Freiherr v. Schorlemer-Alst früher als ein Ehrenmann vom Scheitel bis zur Fußsohle galt, ihn ebenso verlästern wird, wie so manchen wackern Mann, der es verschmähte, nach der welfischen Pfeife zu tanzen.

* Der Vorstand des Vereins zur Wahrung der gemeinsamen wirthschaftlichen Interessen in Rheinland und Westfalen hat beschlossen, im diesjährigen Herbst zwei Stipendien für den Besuch des Orientalischen Seminars zur Vertheilung zu bringen, und zwar eins in der Höhe von 1500 ℳ und ein zweites in der Höhe von 600 ℳ, zu welch letzterem aus anderweitigem Fonds noch 600 ℳ kommen können. Die Empfänger müssen in Rheinland oder Westfalen geboren sein, ihre technischen Studien oder kaufmännische Lehre vollendet haben und sich verpflichten, halbjährlich über den Gang ihrer Studien an den Vereinsausschuß zu berichten. Außerdem sollen sie gehalten sein, die empfangenen Beträge zurückzuerstatten, wenn sie selbst in eine auskömmliche Stellung gelangt sind.

* Der „Weimarischen Zeitung" wird geschrieben: „Wie ich aus zuverlässiger Quelle erfahre, ist es durchaus noch nicht als feststehend zu bezeichnen, daß der Proceß Harmening schon im Laufe des September am Landgericht zu Weimar zur Verhandlung kommen wird. Vielmehr dürfte dies erst im October oder November geschehen, da Herr Dr. Harmening aus Gesundheitsrücksichten noch nicht in der Lage war, die Entgegnung auf die Anklageschrift abzufassen, obwohl dieselbe schon bis zum 12. September hätte eingereicht werden sollen. Der Angeklagte hat daher um eine weitere Verlängerung der ihm gegebenen Frist nachgesucht, deren Bewilligung unter den gegebenen Umständen wohl kaum einem Zweifel unterliegen dürfte. Interessant ist es, daß Herr Dr. Harmening auf die Vernehmung Sr. Hoheit des Herzogs von Coburg als Zeugen dringt, um namentlich festgestellt zu wissen, ob dieser Fürst der Autor jener vielbesprochenen Broschüre „Auch ein Programm aus den 99 Tagen" ist oder nicht. Der Staatsanwalt hingegen hält die zeugeneidliche Vernehmung der Herren Windthorst und Richter aus naheliegenden Gründen für weit angemessener und bedeutungsvoller."

* * *

* Es ist kürzlich die Meldung aufgetaucht, daß dem Bischof Stroßmayer nahegelegt worden, seine Absicht, zur Einweihung der neuen katholischen Kirche nach Serajewo zu kommen, aufzugeben. Bischof Stroßmayer hat es sich indessen nicht nehmen lassen, seine Absicht doch auszuführen, worüber in den Kreisen seiner Agramer Anhänger große Befriedigung herrscht. Man darf annehmen, daß dafür gesorgt sein werde, es unmöglich zu machen, daß der agitatorische Bischof diese Reise im Sinne seiner Tendenzen verwerthe. Bemerkenswerth ist, daß, wie die „Bosnische Post" bestätigt, der Erzbischof Galimberti in Folge eines Zwischenfalls mit dem Bischof Stroßmayer die Absicht, die Einweihung der Kirche in Serajewo vorzunehmen, aufgegeben habe und daß diese nun von dem Bischofe Burjonjes vorgenommen werde.

* Es ist längst bekannt, daß die Hetzereien gegen Bulgarien und zwischen diesem und Serbien, vornehmlich

SLUB
Wir führen Wissen.